बोले सितारे

साप्ताहिक राशिफल- २३-२९ नवम्बर, २०२६

मेष -

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में करियर-कारोबार में आने वाली अड़चनों के साथ कुछेक घरेलू समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। इस सप्ताह मेष राशि के जातकों को अपने प्रोफेशनल और निजी लाइफ से जुड़े मसलों से जुड़े निर्णय लेते समय खूब सावधानी बरतनी होगी। भूलकर भी उत्तेजित होकर या फिर जल्दबाजी में कार्य न करें। वाहन भी सावधानी के साथ चलाएं और अपने सामान आदि का विशेष ख्याल रखें। सप्ताह के मध्य में आपको सेहत और संबंध पर ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान अपनी दिनचर्या, खानपान और लोगों के साथ बात-व्यवहार सही रखें। नौकरीपेशा लोगों के लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध थोड़ा ज्यादा कठिन साबित हो सकता है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियों में अनचाहे बदलाव हो सकते हैं। स्थानांतरण भी संभव है। व्यवसाय से जुड़े लोगों का मन अपने कामकाज से हट सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में धन का लेनदेन और निवेश करते समय सावधानी बरतें। प्रेम संबंध में किसी बात को लेकर तकरार होने की आशंका रहेगी। लव लाइफ और मैरिड लाइफ को बेहतर बनाए रखने के लिए अपने पार्टनर पर अपनी विचारधारा या बात थोपने से बचें।

उपाय- प्रतिदिन देवी दुर्गा की विधि-विधान से पूजा एवं सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का पाठ करें।

वृष -

वृषभ राशि के जातकों को इस सप्ताह अत्यधिक सावधानी और सूझबूझ के साथ अपने कार्य करने होंगे। आपको हर समय यह स्लोगन याद रखना होगा कि सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर के साथ बेहतर तालमेल बनाकर रखें और किसी भी कार्य में लापरवाही न बरतें। इस सप्ताह आपको अपने गुप्त शत्रुओं से खूब सतर्क रहना होगा क्योंकि वे आपके बने-बनाए काम को बिगाड़ने के लिए षडयंत्र रच सकते हैं। इस सप्ताह आपकी आय तो थोड़ी बढ़ेगी, लेकिन उसके साथ खर्च भी बढ़ सकते हैं। सप्ताह के मध्य में अचानक से किसी कार्य विशेष के लिए आपको बड़ी धनराशि खर्च करनी पड़ सकती है। ऐसे में आर्थिक असंतुलन बना रहेगा। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आपको अपने कागजी काम और हिसाब-किताब पूरा रखना होगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर अथवा कारोबार के सिलसिले में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा संभव है। वृषभ राशि के जातकों को इस सप्ताह अभिमान और अपमान दोनों से बचना होगा। अपने से छोटों की भावनाओं की कद्र करें तथा बड़ों की सलाह का सम्मान करें, अन्यथा बेवजह का तनाव और परेशानियां झेलनी पड़ सकती है। प्रेम प्रसंग में दिखावा करने से बचें।

उपाय- प्रतिदिन पारद शिवलिंग की पूजा एवं लिंगाष्टकं का श्रद्धापूर्वक पाठ करें।

मिथुन -

मिथुन राशि के जातकों के जीवन में बीते हफ्ते की भांति इस सप्ताह भी शुभता बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत से ही आपको किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जिसके चलते आपके सोचे हुए कार्य समय पर और मनचाहे तरीके से पूरे होंगे। सप्ताह के प्रारंभ में किसी कार्य विशेष में मनोवांछित फल की प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा। करियर और कारोबार में मनचाही तरक्की होगी। इस सप्ताह नौकरीपेशा लोगों के परिश्रम और प्रयास की सराहना होगी। पदोन्नति के योग बनेंगे। कुल मिलाकर कार्यक्षेत्र में आपकी छवि बेहतर होगी। सप्ताह के मध्य में घर में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। इस सप्ताह आपकी आय के नये स्त्रोत बनेंगे। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो कमाई अच्छी होगी और कारोबार में मनचाहे तरीके से विस्तार होगा। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। उच्च शिक्षा की दिशा में किये जा रहे प्रयास सफल होंगे। सत्ता-सरकार से जुड़े लोगों के कद एवं पद में वृद्धि हो सकती है। शत्रुओं और कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में विजय मिलेगी। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ सुखद समय व्यतीत करने के अवसर प्राप्त होंगे।

उपाय- प्रतिदिन भगवान श्री गणेश जी की विधि-विधान से पूजा एवं चालीसा का पाठ करें।

कर्क -

कर्क राशि के जातकों पर इस सप्ताह किस्मत पूरी तरह से मेहरबान होती नजर आएगी। घर और बाहर दोनों जगह इस राशि के जातकों को लोगों से सुख, सहयोग और समर्थन मिलेगा। सप्ताह की शुरुआत में घर में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न होंगे और खुशियों का माहौल बना रहेगा। स्वजनों के साथ हंसी-खुशी समय बिताने के अवसर प्राप्त होंगे। पूरे सप्ताह रोजी-रोजगार में सफलता और लाभ की स्थिति बनी रहेगी। आपके परिश्रम और प्रयास का पूरा फल प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों के टारगेट समय से पूर्व पूरे होंगे और अधिकारी वर्ग उनसे प्रसन्न और संतुष्ट रहेगा। यदि आप विदेश से जुड़े कार्य या कारोबार करते हैं तो इस सप्ताह आपको विशेष सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। सप्ताह के अंत तक विदेश अथवा लंबी दूरी की यात्रा के योग भी बन सकते हैं। यात्रा सुखद एवं नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। यदि आप किसी नये कार्य की शुरुआत करने प्रयासरत थे तो इस सप्ताह शुभचिंतकों और स्वजनों की मदद से वह प्रारंभ हो सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध का समय प्रेम प्रसंग के लिए अत्यंत ही अनुकूल कहा जाएगा। इस दौरान लव पार्टनर की तरफ से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

उपाय- प्रतिदिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा एवं द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्र का पाठ करें।

सिंह -

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी सकारात्मक रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही आपके जीवन में सुख और सौभाग्य कायम रहेगा। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो कारोबार में लाभ और वृद्धि होगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में व्यवसाय के सिलसिले में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा के योग बनेंगे। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। इस सप्ताह आपकी व्यापारिक स्थितियों में खासा सुधार देखने को मिलेगा। आपकी आय बढ़ेगी, जिससे आपके संचित धन में वृद्धि होगी। इस सप्ताह सिंह राशि के जातक अपने क्रियाकलाप से अपनी एक अलग पहचान बनाने में कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में लंबे समय पश्चात प्रियजनों से मेल-मुलाकात होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। सीनियर और जूनियर दोनों आप पर मेहरबान नजर आएंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध में इष्ट-मित्रों के साथ पिकनिक-पार्टी का प्रोग्राम बन सकता है। इस दौरान पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद दूर होंगे। सिंह राशि के जातकों को इस सप्ताह पिता की तरफ से विशेष सहयोग और समर्थन मिलेगा। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय- प्रतिदिन सूर्य भगवान की विधि-विधान से पूजा एवं सूर्याष्टकं का पाठ करें।

कन्या -

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आप बीते कुछ समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान खोजने में बहुत हद तक कामयाब हो जाएंगे। सीनियर की मदद से कार्यक्षेत्र से जुड़ी दिक्कतें दूर होंगी। किसी महिला मित्र की मदद से आप अपने अटके हुए कार्य को पूरा करने में अंततः कामयाब हो जाएंगे। कार्य-व्यवसाय से जुड़ी नई योजनाएं बनेंगी। घरेलू महिलाओं का मन इस सप्ताह पूजा-पाठ और दान-पुण्य आदि में ज्यादा लगेगा। सप्ताह के मध्य में आपको धार्मिक-मांगलिक कार्य आदि में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम कहा जाएगा। इस सप्ताह उन्हें परिश्रम और प्रयास करने पर पूरा फल प्राप्त होगा। परीक्षा-प्रतियोगिता में मनचाही सफलता मिलेगी। बेरोजगार लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी। यदि आप लंबे समय से भूमि-भवन के क्रय-विक्रय आदि के लिए प्रयासरत थे तो इस सप्ताह आपकी यह कामना भी पूरी हो सकती है। प्रेम प्रसंग हो या फिर घरेलू समस्याएं इससे जुड़े विवाद एवं तनाव दूर होंगे। सिंगल लोगों के जीवन में मनचाहे व्यक्ति की एंट्री होगी। कुटुंब में वृद्धि के योग बनेंगे।

उपाय- प्रतिदिन भगवान श्री गणेश जी की पूजा में गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें।

तुला -

तुला राशि के लिए यह सप्ताह सामान्य फलदायी कहा जाएगा। इस सप्ताह करियर और कारोबार आदि को आगे बढ़ाने के लिए आपको अच्छे अवसर प्राप्त होंगे, लेकिन ध्यान रहे कि आलस्य और अभिमान दो ऐसी चीजें हैं, जिसके चलते आप इसे पाने से चूक भी सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए सप्ताह की शुरुआत सामान्य कही जाएगी लेकिन व्यवसाय से जुड़े लोगों को इस दौरान कारोबार में अच्छा लाभ प्राप्त होगा। हालांकि आय के मुकाबले व्यय की अधिकता के चलते आपको अपने वित्तीय संतुलन को साधन में दिक्कतें आ सकती हैं। इस दौरान परिवार के किसी सदस्य की खराब सेहत को लेकर आपका मन थोड़ा चिंतित रहेगा। इस सप्ताह विद्यार्थी वर्ग का मन पढ़ाई-लिखाई से उचट सकता है। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को मनचाहे परिणाम की प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपके शत्रु आप पर हावी होने की कोशिश कर सकते हैं, हालांकि आप अपनी बुद्धि और विवेक से उनकी चालों को नाकाम करने में कामयाब होंगे। प्रेम प्रसंग में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं। दांपत्य जीवन को सुखमय बनाए रखने के लिए जीवनसाथी की भावनाओं की कद्र करें।

उपाय- प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा एवं श्री सूक्त का पाठ करें।

वृश्चिक -

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी अत्यंत ही शुभ, सफल और लाभप्रद साबित होने जा रहा है। सप्ताह की शुरुआत में आपकी अति विशिष्ट लोगों के साथ मेल-मुलाकात के अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान आपके इष्ट मित्र आप पर पूरी तरह से मेहरबान नजर आएंगे और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करते हुए हर संभव सहयोग करेंगे। घर और बाहर दोनों जगह लोगों से मिलने वाले समर्थन और सहयोग आपके आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। स सप्ताह विद्यार्थी वर्ग पूरे मनोयोग से परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी करेगा। जिसका शुभ परिणाम सप्ताह के उत्तरार्ध तक देखने को भी मिलेगा। प्रतियोगी, विभागीय अथवा अन्य किसी नौकरी के संबंध में दी गई परीक्षा या इंटरव्यू का परिणाम आपके पक्ष में आएगा। पहले से कार्यरत नौकरीपेशा लोगों के कामकाज और संस्थान के प्रति उनके समर्पण एवं निष्ठा की तारीफ होगी। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के उत्तरार्ध का समय अत्यंत शुभ एवं लाभप्रद साबित होगा। इस दौरान आपको अचानक कहीं से धन लाभ होगा। सेहत और संबंध दोनों सामान्य रहेंगे। स्वजनों के साथ हंसी-खुशी पल बिताने के अवसर प्राप्त होंगे। प्रेम संबंध में आत्मीयता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा। जीवनसाथी से सुख-सहयोग की प्राप्ति होगी।

उपाय- प्रतिदिन हनुमान जी की पूजा में चालीसा का सात बार पाठ करें।

धनु -

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह विशेष सफलता दिलाने वाला कहा जाएगा। इस सप्ताह आप अपनी बुद्धि और वाणी के बल पर असंभव से लगने वाले कार्य को भी बड़ी आसानी से पूरा करने में कामयाब हो जाएंगे। इस सप्ताह आपको नवीन वस्तुओं की प्राप्ति होगी। सप्ताह की शुरुआत में सुख-सुविधा से जुड़ी वस्तुओं पर बड़ी धन राशि खर्च कर सकते हैं। इस दौरान सरकारी कामकाज में आ रही रुकावटें दूर होंगी। यदि आपका किसी योजना या मार्केट आदि में फंसा है तो अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा। यह हफ्ता कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वालों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है, उन्हें कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। विवाह योग्य युवक-युवतियों का रिश्ता तय हो सकता है। पूरे सप्ताह परिवार के सदस्यों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह पिता अथवा पिता समान व्यक्ति की तरफ से विशेष सुख और सहयोग की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में जटिल कानूनी मामले आपसी बातचीत के जरिए सुलझ सकते हैं। संतान पक्ष से जुड़ी चिंताएं दूर होंगी। इस सप्ताह सेहत पर विशेष ध्यान देना होगा। मौसमी बीमारी अथवा हड्डी से जुड़े रोग उभर सकते हैं।

उपाय- प्रतिदिन भगवान श्री लक्ष्मीनारायण की पूजा एवं श्री विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

मकर -

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपके काम कभी आसानी से पूरे होते हुए तो कभी अटकते नजर आएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपके भीतर आलस्य की अधिकता रहेगी, जिसके चलते आप अपने करियर और कारोबार पर कम फोकस कर पाएंगे। इस दौरान आधे-अधूरे मन से काम करने पर आपको वांछित फलों की प्राप्ति मुश्किल होगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में घरेलू समस्याओं के चलते मानसिक तनाव बना रहेगा। सप्ताह के मध्य में मकर राशि के जातकों की अपने छोटे भाई-बहनों के साथ किसी बात को लेकर तकरार होने की आशंका रहेगी। इस दौरान स्वजन भी आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। जिसके चलते परिवार के सदस्यों के साथ मनमुटाव बना रहेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपको अपने गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान आपको जल्दबाजी या लापरवाही से काम करने से बचना चाहिए। व्यवसाय की दृष्टि से पूरा हफ्ता औसत फलदायी कहा जाएगा। प्रेम संबंध में सावधानी से आगे बढ़ें। सप्ताह के उत्तरार्ध में प्रेम प्रसंग के उजागर होने पर मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। कठिन समय में जीवनसाथी की तरफ से सहयोग और संबंल मिलेगा।

उपाय- प्रतिदिन हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा तथा बजरंग बाण का पाठ करें।

कुंभ -

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और राहत प्रदान करने वाला कहा जाएगा। इस सप्ताह आप बीते कुछ समय से चली आ रही निजी समस्याओं का समाधान खोजने में अंततः कामयाब हो जाएंगे। आपके जीवन में पूरे सप्ताह सुख, शांति और समृद्धि बनी रहेगी। सत्ता-सरकार से जुड़े कार्य पूरे होंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग आप पर पूरी तरह से मेहरबान नजर आएगा, जिसके चलते आप अपने कार्य को बेहतर तरीके से करने में कामयाब होंगे। यदि आप अपनी नौकरी में बदलाव के लिए प्रयासरत हैं तो आपको इस सप्ताह कहीं से अच्छा ऑफर आ सकता है। व्यवसाय के विस्तार की योजनाएं फलीभूत होती नजर आएंगी। कारोबार के सिलसिले में की गई यात्रा सुखद एवं सफल साबित होगी। इस सप्ताह आप कोई बड़ी कारोबारी डील पर अपनी अंतिम मुहर लगा सकते हैं। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपको अचानक कहीं से धन प्राप्ति संभव है। इस दौरान रचनात्मकता और योग्यता लोगों के सामने खुल कर आएगी। समाजसेवा आदि से जुड़े लोगों के कार्यों को सराहा जाएगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर बने रहेंगे। प्रेम प्रसंग से जुड़ी समस्याएं और आपसी मतभेद दूर होंगे।

उपाय- प्रतिदिन भगवान शिव की विधि-विधान से साधना तथा शिव मंत्र का रुद्राक्ष की माला से जाप करें।

मीन -

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ परिणामों को लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत में रोजी-रोजगार या फिर परीक्षा-प्रतियोगिता आदि से संबंधित किए जाने वाले प्रयास सफल साबित होंगे। नौकरीपेशा लोग कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत और प्रयास से अपनी काबिलियत साबित करेंगे। सीनियर की तरफ से शाबाशी मिलेगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको किसी बड़े प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। जिससे आपका कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा। कुल मिलाकर करियर-कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। व्यवसाय में लाभ और संचित धन में वृद्धि होगी। विभिन्न स्त्रोतों से लाभ की प्राप्ति के योग बनेंगे। मीन राशि के जातकों का इस सप्ताह पूरा फोकस अपनी सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों को बढ़ाने और स्वजनों के साथ हंसी-खुशी पल बिताने पर रहेगा। सप्ताह के मध्य में किसी प्रिय व्यक्ति के घर में आने से सुखद माहौल बना रहेगा। घरेलू सुख-शांति और कामकाज के बीच अच्छा तालमेल बना रहेगा। सप्ताह के अंत तक जटिल कानूनी मसले सुलझ सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखी बना रहेगा। जीवनसाथी की तरफ से भावनात्मक सहयोग और समर्थन बना रहेगा। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी।

उपाय- प्रतिदिन भगवान विष्णु की पीले पुष्प और हल्दी का तिलक लगाकर पूजा एवं चालीसा का पाठ करें।



वैकुण्ठ चतुर्दशी

भारतीय संस्कृति के सनातन धर्म में देवी-देवताओं की आराधना के साथ व्रत-उपवास रखने की परम्परा अनादि काल से चली आ रही है। ऐसी मान्यता है कि भक्तिभाव के साथ की गई आराधना से सुख-समृद्धि, खुशहाली का मार्ग प्रशस्त होता है, साथ ही मनोकामना की पूर्ति का सुयोग बनता है। माह-तिथि विशेष के संयोग से ही पर्व मनाया जाता है। कार्तिक शुक्लपक्ष का प्रमुख पर्व वैकुण्ठ चतुर्दशी की विशेष महिमा है। वर्ष में दो बार चतुर्दशी तिथि के दिन पर्व मनाया जाता है। प्रथम-भाद्रपद शुक्लपक्ष की चतुर्दशी जिसे 'अनन्त चतुर्दशी' कहते हैं तथा द्वितीय-कार्तिक शुक्लपक्ष की चतुर्दशी, जिसे 'वैकुण्ठ चतुर्दशी' के नाम से जाना जाता है। इस दिन भगवान् श्रीविष्णु जी तथा भगवान शिवजी की हर्ष-उमंग व उल्लास के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है। निशिथ व्यापिनी चतुर्दशी तिथि पर यह पर्व



23 नवम्बर, सोमवार को मनाया जाएगा। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीहरि विष्णु जी की पूजा-अर्चना के पूर्व देवाधिदेव महादेव जी की पूजा-अर्चना की जाती है। आज के दिन भगवान शिवजी को तुलसी तथा भगवान श्रीहरि विष्णुजी को बेलपत्र चढ़ाने का भी विधान है। ज्योतिषविद् विमल जैन जी ने बताया कि वैकुण्ठ चतुर्दशी का पर्व 23 नवम्बर, सोमवार को हर्ष-उमंग व उल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्तिक शुक्लपक्ष की चतुर्दशी तिथि 22 नवम्बर, रविवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 2 बजकर 38 मिनट पर लगेगी जो कि 23 नवम्बर, सोमवार को रात्रि 11 बजकर 43 मिनट तक रहेगी। भरणी नक्षत्र 22 नवम्बर, रविवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 4 बजकर 16 मिनट से 23 नवम्बर, सोमवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 2 बजकर 03 मिनट तक रहेगा। वैकुण्ठ चतुर्दशी के व्रत से व्यक्ति को भगवान् श्रीविष्णु जी के आशीर्वाद से उसे वैकुण्ठ लोक की प्राप्ति होती है, साथ ही व्यक्ति का जीवन धन-धान्य से परिपूर्ण रहता है। पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार भगवान विष्णु 108 कमल पुष्पों से भगवान शिव की पूजा कर रहे थे, तब महादेव ने उनकी परीक्षा लेने के लिए एक कमल पुष्प गायब कर दिया। भगवान श्रीविष्णु शिवलिंग पर एक-एक करके कमल पुष्प चढ़ा रहे थे, अंत में एक पुष्प कम लगा। तब उन्होंने सोचा कि उनके नेत्र भी कमल के समान हैं, इसलिए वे अपने एक नेत्र को शिवलिंग पर अर्पित करने जा रहे थे, तभी भगवान शिवजी स्वयं प्रकट हुए और प्रसन्न होकर भगवान श्रीविष्णु जी को सुदर्शन चक्र प्रदान किया। साथ ही यह भी कहा कि जो भक्त पहले आपका पूजन-अर्चन करके, मेरी आराधना करेगा, उसे वैकुण्ठ लोक की प्राप्ति होगी।



मतभेद, पर मनभेद नहीं

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

जहाँ प्रेम होता है, वहाँ मतभेद और वाद-विवाद भी स्वाभाविक रूप से होते हैं। लेकिन यदि विवाद ज्ञान, समझ और सत्य की खोज के लिए हो, तो वही समाज के लिए कल्याणकारी बन जाता है। भारतीय परंपरा में इसी को शास्त्रार्थ कहा गया है। हमारे यहाँ वाद-विवाद केवल तर्क जीतने के लिए नहीं, बल्कि सत्य को समझने के लिए किया जाता था। संस्कृत में कहा गया है- वादे वादे जायते तत्त्वबोधः, अर्थात संवाद और तर्क-वितर्क से ही तत्वज्ञान की प्राप्ति होती है। न्यायशास्त्र में वाद-विवाद के विभिन्न रूपों का वर्णन मिलता है। विद्वान लोग खंडन-मंडन करते थे, पर उनके भीतर कटुता नहीं होती थी। उनका उद्देश्य केवल सत्य तक पहुँचना होता था। आज भी यदि मतभेद सम्मान और अपनत्व के साथ हों, तो वे समाज में नई समझ और विचारों का मार्ग खोल सकते हैं। प्रकृति भी हमें यही सिखाती है। जंगल का सबसे शक्तिशाली प्राणी शेर अत्यंत शांत और आलसी माना जाता है। यदि वह हर समय आक्रामक रहे, तो जंगल का संतुलन ही बिगड़ जाए। इसी प्रकार साँप विषैला होने के बावजूद मनुष्य से अधिक भयभीत रहता है और टकराव से बचना चाहता है। यह हमें सिखाता है कि शक्ति का अर्थ आक्रामकता नहीं, बल्कि संयम है। एक रोचक कथा पंजाब की है। दो मिठाईवालों में झगड़ा हुआ, लेकिन वे एक-दूसरे पर पत्थर नहीं, लड्डू फेंक रहे थे। उनकी लड़ाई का आनंद पूरे गाँव ने उठाया, क्योंकि सबको मिठाइयाँ मिल रही थीं। यह कहानी प्रतीक है कि मतभेद भी मधुर हो सकते हैं, यदि उनमें अपनापन बना रहे। ज्ञान का अर्थ ही हैसबको अपना मानना। बच्चे माँ से नाराज़ हो जाते हैं, माँ भी डाँटती है, लेकिन रिश्ते टूटते नहीं। दक्षिण भारत के कई हिस्सों में आज भी यह परंपरा है कि चाहे माँ से कितना भी विवाद क्यों न हुआ हो, सुबह उठकर उसके चरण स्पर्श किए बिना दिन की शुरुआत नहीं होती। यही भारतीय संस्कृति की सुंदरता है-मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं। भगवान शिव को नीलकंठ इसलिए कहा गया, क्योंकि समुद्र मंथन से निकला विष उन्होंने अपने कंठ में रोक लिया। इसका संदेश यही है कि जीवन का विष, क्रोध और कटुता हृदय तक नहीं पहुँचनी चाहिए। मतभेद केवल विचारों तक सीमित रहें, दिल तक न उतरें। जब संवाद में प्रेम और सम्मान बना रहता है, तभी जीवन में सुख, शांति और सामंजस्य कायम रहता है।

दक्षिण भारत के कई हिस्सों में आज भी यह परंपरा है कि चाहे माँ से कितना भी विवाद क्यों न हुआ हो, सुबह उठकर उसके चरण स्पर्श किए बिना दिन की शुरुआत नहीं होती। यही भारतीय संस्कृति की सुंदरता है- मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं। भगवान शिव को नीलकंठ इसलिए कहा गया, क्योंकि समुद्र मंथन से निकला विष उन्होंने अपने कंठ में रोक लिया। इसका संदेश यही है कि जीवन का विष, क्रोध और कटुता हृदय तक नहीं पहुँचनी चाहिए।

